Press Note on 25th Annual Convention and National Conference

Division of Soil Science and Agricultural Chemistry, IARI in association with The Clay Mineral Society of India, New Delhi, jointly organized 25th Annual Convention and National Conference on "Application of Clay and Allied Sciences for Enhancing Nutrient Use Efficiency, Carbon Sequestration and Mitigating Climate Change" from 18 to 19 December 2025 in the premises of Division of Soil Science and Agricultural Chemistry, ICAR- IARI, New Delhi. The event was inaugurated by Chief Guest Dr MS Khera, Former Head, Division of Soil Science and Agricultural Chemistry, IARI and Dr Ch Srinivas Rao, Director ICAR-IARI, the Guest of Honour, in the presence of distinguished guests and members of the society. The inaugural session featured the 9th Professor S.K. Mukherjee–CMSI Foundation Lecture, delivered by Dr. K.M. Manjaiah, Former Principal Scientist, ICAR-IARI, on “From Soil to Sustainability: Multifunctional Clay Minerals in Action.” The session was chaired by Dr. A.K. Nayak, DDG (NRM), ICAR, New Delhi. This was followed by a keynote lecture by Dr. Balwant Singh, Professor of Soil Science, The University of Sydney, on “Clay Minerals Modulate Carbon in Soils: A New Paradigm for their Environmental Application,” chaired by Dr. Ch. Srinivasa Rao, Director, ICAR-IARI. The conference covered was divided into 4 technical sessions, which highlighted the role of clays and clay minerals in agriculture, carbon sequestration, climate change, nutrient delivery, enhancing nutrient use efficiency, environmental quality, and ecosystem services. A special session was also organised on the application of clay and nanoscience in industry and other niche areas, keeping in view the emerging role of nanotechnology in the fields of agriculture and allied industries. Distinguished lead lectures were delivered by senior scientists and experts including Dr. Anil Kumar K.S., Dr. S.C. Datta, Dr. Manoj Shrivastava, and Dr. D.R. Biswas, emphasizing climate-smart fertilizers, nanoclay–polymer composites, and sustainable soil health management in different sessions. Several oral and lightning presentations by researchers and students showcased recent advances in clay mineral research and applications. The event was attended by more than 100 eminent scientists, academicians, industry experts, and young researchers.

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद- भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन विभाग ने नई दिल्ली स्थित क्ले मिनरल सोसाइटी ऑफ इंडिया के सहयोग से 18 से 19 दिसंबर 2025 तक , भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली स्थित मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन विभाग के परिसर में "पोषक तत्व उपयोग दक्षता बढ़ाने, कार्बन पृथक्करण और जलवायु परिवर्तन को कम करने के लिए क्ले और संबद्ध विज्ञानों का अनुप्रयोग" विषय पर 25वां वार्षिक सम्मेलन और राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ. एम.एस. खेरा, पूर्व अध्यक्ष, मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन विभाग, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान और विशिष्ट अतिथि डॉ. सी.एच. श्रीनिवास राव, निदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद- भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान ने अन्य गणमान्य अतिथियों और सोसाइटी के सदस्यों की उपस्थिति में किया। उद्घाटन सत्र में नौवां प्रोफेसर एस.के. मुखर्जी-सीएमएसी फाउंडेशन व्याख्यान दिया गया जिसे भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद- भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के पूर्व प्रधान वैज्ञानिक डॉ. के.एम. मंजैया ने "मृदा से स्थिरता तक: क्रियाशील बहुक्रियाशील क्ले के खनिज" विषय पर प्रस्तुत किया। इस सत्र की अध्यक्षता भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के महानिदेशक (एनआरएम) डॉ. ए.के. नायक ने की। इसके बाद सिडनी विश्वविद्यालय के मृदा विज्ञान के प्रोफेसर डॉ. बलवंत सिंह ने "मृदा में कार्बन को नियंत्रित करने वाले क्ले के खनिज: उनके पर्यावरणीय अनुप्रयोग के लिए एक नया प्रतिमान" विषय पर मुख्य व्याख्यान दिया, जिसकी अध्यक्षता आईसीएआर-आईएआरआई के निदेशक डॉ. च. श्रीनिवास राव ने की। सम्मेलन को चार तकनीकी सत्रों में विभाजित किया गया था जिसमें कृषि, कार्बन पृथक्करण, जलवायु परिवर्तन, पोषक तत्व वितरण, पोषक तत्व उपयोग दक्षता में वृद्धि, पर्यावरणीय गुणवत्ता और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं में क्ले और क्ले खनिजों की भूमिका पर प्रकाश डाला गया। कृषि और संबद्ध उद्योगों के क्षेत्र में नैनो प्रौद्योगिकी की उभरती भूमिका को ध्यान में रखते हुए, उद्योग और अन्य विशिष्ट क्षेत्रों में क्ले और नैनो विज्ञान के अनुप्रयोग पर एक विशेष सत्र का आयोजन भी किया गया। विभिन्न सत्रों में डॉ. अनिल कुमार के.एस., डॉ. एस.सी. दत्ता, डॉ. मनोज श्रीवास्तव और डॉ. डी.आर. बिस्वास सहित वरिष्ठ वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों ने जलवायु-अनुकूल उर्वरकों, नैनोक्ले-पॉलिमर कंपोजिट और सतत मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन पर जोर देते हुए विशिष्ट व्याख्यान दिए। शोधकर्ताओं और छात्रों द्वारा दी गई कई मौखिक और संक्षिप्त प्रस्तुतियों में क्ले खनिज अनुसंधान और अनुप्रयोगों में हुई हालिया प्रगति को

प्रदर्शित किया गया। इस सम्मेलन में 100 से अधिक प्रख्यात वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, उद्योग विशेषज्ञों और युवा शोधकर्ताओं ने भाग लिया।